प्रलय रुकी तो केदारनाथ मंदिर के चारों ओर फैले थे शव, दून पहुंचे पीड़ित परिवार ने साझा किया मंजर

दस मिनट और छह हजार जिंदगी खत्म...

अंकित चौधरी

केदारनाथ में सोमवार सुबह सात बजे के करीब की घटना, सात हजार में से बचे एक हजार

देहरादून। खौफजदा चेहरा और आंखों में आंसू लिए कांपती आवाज में उन्होंने बताया कि केवल 10 मिनट और छह हजार जिंदगी खत्म...। केदारनाथ से दून पहुंची दिल्ली निवासी नेहा मिश्र ने बताया कि सोमवार सुबह तकरीबन छह बजे धमाके की आवाज आई। किसी को पता नहीं चला कि क्या हुआ। करीब सात बजे अचानक बचाओ-बचाओ की आवाज गूंजी।

आपदा में मां, दादी और नानी को खो देने वाली नेहा ने बताया कि पानी के रूप में प्रलय दबे पांव आई। इससे पहले कि किसी को एहसास होता पानी मंदिर में तेजी से चारों तरफ घूमा और परिसर के दक्षिणी गेट को तोड़ता मौजूद श्रद्धालुओं को मलबे में दफन कर गया। मंदिर के चारों ओर 400 मीटर एरिया में मौजूद सात हजार लोगों में से एक हजार ही बचे। बचने वाले भी वे हैं जो होटलों और भवनों के ऊपर वाले तलों पर पहुंच गए थे। जल प्रलय के बाद हर तरफ केवल मलबा-ही-मलबा था। डर इतना कि कहीं पैर के नीचे कोई शव न हो। जब बाहर का नजारा देखा तो मंदिर के चारों ओर शव-ही-शव नजर आ रहे थे...।

सकते में थे भाई-बहन

जल प्रलय के बाद सुरक्षित बची यमुना विहार रोड दिल्ली निवासी एलएलबी की छात्रा नेहा मिश्र चॉपर से बृहस्पतिवार को दून पहुंची। नेहा और उसके दो भाई-बहन सकते में नजर आए। नेहा ने बताया कि सोमवार सुबह करीब सात बजे तेज गति मलबा और पानी बहकर आने की सूचना पाते ही सभी सुरक्षित स्थान की ओर भागे। कुछ मिनट बाद ही वह होटल तक पहुंच गए, लेकिन दस कदम पीछे चल रहा उनका आधा परिवार मलबे के साथ कहां गया, कुछ पता नहीं चला। केवल पत्थरों का शोर और लोगों की चीख-पुकार ही सुनाई देती रही।

गंदे पानी से बुझाई प्यास

जान बचाने के लिए नेहा और उसके भाई-बहन को गंदे पानी से प्यास बुझानी पड़ी। इन 24 घंटों में खाने के लिए कुछ नहीं मिला।